कैमूर चेतना सत्र

बिहार शिक्षा परियोजना कैमूर द्वारा सभी विद्यालयों के लिए प्रकाशित

- संपादकीय
- हमारे प्रेरणा स्रोत
- प्रार्थना
- बिहार राज्य गीत
- छात्र प्रतिज्ञा
- राष्ट्रगान
- आज का सुविचार
- दिवस विशेष
- सामान्य ज्ञान
- शब्द ज्ञान
- कंप्यूटर ज्ञान
- तर्क ज्ञान
- प्रेरक प्रसंग
- रोचक तथ्य
- बूझो तो जाने
- विभागीय सूचना

OCTOBER 2025

Sun	Mon	Tue	Wed	Thu	Fri	Sat
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना, कैमूर (भभुआ)
शिक्षा भवन, समाहरणालय रोड, भभुआ
Email-ssakaimur@gmail.com ,Website-bepkaimur.org,Mob. No. 8544411412
पत्रांक:..दिनांक:–..................

प्रेषक:– जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
प्रा0शि0 एवं समग्र शिक्षा अभियान,
कैमूर (भभुआ)।

सेवा में,
सभी प्रधानाध्यापक / प्र0 प्र0अ0,
प्राथमिक / मध्य / माध्यमिक / उ0मा0 विद्यालय,
कैमूर (भभुआ)।

विषय:– **विद्यालयों को उपलब्ध कराये गए टैबलेट का ई–शिक्षाकोष पर प्रविष्टि के संबंध में।**

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में सूचित करना है कि राज्य कार्यालय के पत्रांक–2700 दिनांक–18.06.2025 के आलोक में चयनित एजेन्सी के माध्यम से प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय को 02 टैबलेट प्रति विद्यालय, प्रत्येक मध्य विद्यालय को 02 टैबलेट प्रति विद्यालय तथा प्रत्येक माध्यमिक / उ0मा0 विद्यालयों को विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर 02 या 03 टैबलेट प्रति विद्यालय उपलब्ध कराया गया है, जिसे ई–शिक्षाकोष पोर्टल पर विद्यालयवार एवं टैबलेटवार प्रविष्टि किया जाना है। इस कार्य हेतु सभी प्रधानाध्यापक द्वारा **Composite Grant** की राशि से सिम का क्रय कर टैबलेट को सक्रिय करते हुए ई–शिक्षाकोष पोर्टल पर निम्नवत् प्रविष्टि किया जायेंगा:–

1. टैबलेट का IMEI Number
2. टैबलेट का Serial Number
3. टैबलेट में लगाये गये सिम का Number
4. उपयोगकर्त्ता का नाम
5. उपयोगकर्त्ता का पदनाम

अतः निदेश दिया जाता है कि **दो दिनों के अंदर** उपलब्ध कराये गए टैबलेट का ई–शिक्षाकोष पोर्टल पर प्रविष्टि करना सुनिश्चित करेंगे।

विश्वासभाजन
ह0/–
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
प्रा0शि0 एवं समग्र शिक्षा अभियान
कैमूर (भभुआ)।

ज्ञापांक – 1181 .... भभुआ / दिनांक 8.10.25

प्रतिलिपि – सभी प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी एवं प्रखण्ड लेखा सहायक, जिला–कैमूर को सूचनार्थ एवं निदेश दिया जाता है कि दो दिनों के अंदर सभी प्रधानाध्यापकों से ई–शिक्षाकोष पोर्टल पर टैबलेट की प्रविष्टि कराना सुनिश्चित करेंगे।

प्रतिलिपि – जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर को सादर सूचनार्थ समर्पित।

08/10/2025
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
प्रा0शि0 एवं समग्र शिक्षा अभियान
कैमूर (भभुआ)।

8.10.25

Scanned with OKEN Scanner

परिकल्पना सहयोग :
चेतना - सत्र संसाधन निर्माण कोषांग
प्रकाशक :
बिहार शिक्षा परियोजना एवं शिक्षा विभाग , कैमूर

चेतना - सत्र
संसाधन सामग्री निर्माण कोषांग
सदस्य सह संपादकीय समूह

सुमित कुमार
प्राथमिक विद्यालय डारीडीह, भभुआ, कैमूर

शिव कुमार गुप्ता
राजकीयकृत मध्य विद्यालय नीमी, भभुआ

सभी विद्यालयों के शिक्षक 'कैमूर चेतना – सत्र' के ग्रुप में जुड़ना सुनिश्चित करें ताकि चेतना सत्र की प्रति सभी को आसानी से प्राप्त हो सके |

कार्यालय, बिहार शिक्षा परियोजना
शिक्षा भवन , भागीरथी मुक्तावकाश मंच ,
भभुआ (कैमूर)
पिनकोड – 821101

ईमेल –
chetnakaimur@gmail.com

रेखा
(भारतीय अभिनेत्री)

रेखा का पूरा नाम **भानुरेखा गणेशन** है। उनका जन्म 10 अक्टूबर 1954 को **चेन्नई (तमिलनाडु)** में हुआ। उनके पिता प्रसिद्ध दक्षिण भारतीय अभिनेता **जेमिनी गणेशन** और माता **पुष्पावल्ली** थीं, जो खुद भी एक जानी-मानी अभिनेत्री थीं। रेखा ने बहुत छोटी उम्र में ही फ़िल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया था।

रेखा ने 1966 में एक बाल कलाकार के रूप में तेलुगु फ़िल्म *Rangula Ratnam* से शुरुआत की, जबकि हिंदी सिनेमा में उनकी पहली प्रमुख फ़िल्म **"सावन भादों"** (1970) थी। इस फ़िल्म की सफलता ने रेखा को बॉलीवुड में स्थापित कर दिया। प्रारंभिक वर्षों में उन्हें रूप-रंग और उच्चारण को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, परंतु उन्होंने अपने परिश्रम और आत्मविश्वास से खुद को एक सफल अभिनेत्री के रूप में साबित किया।

1980 के दशक में रेखा ने एक से बढ़कर एक यादगार भूमिकाएँ निभाई —
"उमराव जान" (1981), **"सिलसिला"** (1981), **"खूबसूरत"** (1980), और **"मुक्ति"** (1977) जैसी फ़िल्मों ने उन्हें अभिनय की ऊँचाइयों पर पहुँचा दिया। *उमराव जान* के लिए उन्हें **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** (National Film Award) से सम्मानित किया गया।

रेखा अपने बेहतरीन अभिनय, शालीन व्यक्तित्व और सजीले अंदाज़ के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने न केवल मुख्य नायिका बल्कि चरित्र भूमिकाओं में भी अपनी अलग पहचान बनाई। रेखा आज भी हिंदी सिनेमा की सबसे सम्मानित और रहस्यमयी हस्तियों में गिनी जाती हैं।

उनकी जीवन यात्रा यह संदेश देती है कि **संघर्ष, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से सफलता अवश्य मिलती है।**

1. प्रार्थना

प्रार्थना

दया कर दान विद्या का, हमें परमात्मा देना,
दया करना हमारी आत्मा में, शुद्धता देना।

हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ,
अँधेरे दिल में आकर के, प्रभु ज्योति जगा देना।

बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर,
हमें आपस में मिल-जुल के,प्रभु रहना सीखा देना।

हमारा धर्म हो सेवा, हमारा कर्म हो सेवा,
सदा ईमान हो सेवा, व सेवक जन बना देना।

वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना,
वतन पर जाँ फिदा करना,प्रभु हमको सीखा देना।

दया कर दान विद्या का, हमें परमात्मा देना,
दया करना हमारी आत्मा में, शुद्धता देना।

बिहार राज्य गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा ही दे गंग – जमन नाज करे
आधे रास्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

कैमूर चेतना सत्र

छात्र – प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है।
हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे।
हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सब के साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं।उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

कैमूर चेतना सत्र

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब-सिन्धु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे, तब शुभ आशीष मांगे
गाहे तब जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे।।

2. आज का सुविचार

"हर सुबह एक नया अवसर लेकर आती है। इस अवसर को पहचानिए और अपने लक्ष्य की ओर एक कदम और बढ़ाइए।"

3. दिवस विशेष

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस

लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना।
मानसिक बीमारियों को लेकर जो भ्रांतियाँ और सामाजिक कलंक (stigma) हैं, उन्हें दूर करना।
मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और इसकी पहुंच को आसान बनाने की आवश्यकता को उजागर करना।

4. आज का इतिहास

1911 — चीन में वुचांग विद्रोह (Wuchang Uprising) शुरू हुआ, जिसने किंग राजवंश (किंग राजवंश, Qing Dynasty) को गिराने की प्रक्रिया को गति दी और अंततः चीन में गणराज्य की स्थापना हुई।
1964 — टोक्यो समर ओलम्पिक की शुरुआत हुई; यह पहला ऐसा ऑलम्पिक खेल था जो एशिया में आयोजित हुआ।
1980 — अल्जीरिया में एक बड़े भूकंप ने जनहानि और विनाश मचाया।
2010 — नीदरलैंड ऐंटिलीज़ (Netherlands Antilles) का विघटन हुआ

5. सामान्य ज्ञान

मानव शरीर में कितनी हड्डियाँ होती हैं?	206
पौधे क्या बनाते हैं?	ऑक्सीजन और भोजन (प्रकाश संश्लेषण के द्वारा)
पानी का रासायनिक सूत्र क्या है?	H_2O
सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन सा है?	बृहस्पति (Jupiter)
विश्व का सबसे बड़ा जानवर:	नीली व्हेल
सबसे तेज़ दौड़ने वाला जानवर:	चीता
धरती पर जीवन संभव क्यों है?:	जल और वायुमंडल की उपस्थिति के कारण
भारत का राष्ट्रपति कौन होता है?	देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद
संविधान कब लागू हुआ था?	26 जनवरी 1950
महात्मा गांधी को 'राष्ट्रपिता' किसने कहा था?	सुभाष चंद्र बोस

6. शब्द ज्ञान

वो दबे पाँव कमरे में घुसा	He tiptoed into the room.
मुझ पर एहसान मत करो।	Don't favour me.
बहाने मत बनाओ।	Don't make excuses.
समय की नजाकत को समझो।	Understand the delicacy of time.
अपने बाल बना लो।	Comb your hair.

7. कंप्यूटर ज्ञान

इनपुट डिवाइस (Input Devices) – जिनसे डाटा कंप्यूटर में डाला जाता है
जैसे – Keyboard, Mouse, Scanner, Microphone

8. तर्क ज्ञान

यदि सभी वर्ग (Squares) आयत (Rectangles) होते हैं, तो क्या सभी आयत वर्ग होते हैं?
उत्तर : नहीं

9. प्रेरक प्रसंग

एक छोटे से गाँव में **आरव** नाम का एक बालक रहता था। वह बहुत होनहार था, परंतु एक बात उसे हमेशा परेशान करती थी — जब भी वह किसी कार्य में असफल होता, तो तुरंत हार मान लेता। एक दिन स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी थी। आरव ने ठान लिया कि वह एक सौर ऊर्जा से चलने वाला पंखा बनाएगा। उसने कई बार कोशिश की, पर हर बार कुछ न कुछ गलती हो जाती। वह निराश होकर बोला — "शायद मैं यह नहीं कर सकता।"
उसी समय उसके अध्यापक **शर्मा सर** वहाँ पहुँचे। उन्होंने आरव के कंधे पर हाथ रखकर कहा — "बेटा, असफलता कोई अंत नहीं होती, यह तो सफलता की पहली सीढ़ी होती है। क्या तुम जानते हो कि बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन ने बल्ब बनाने से पहले 1000 बार असफल प्रयोग किए थे?"
आरव ने आश्चर्य से पूछा, "हजार बार असफल होकर भी उन्होंने हार नहीं मानी?" शर्मा सर मुस्कुराए — "हाँ, उन्होंने कहा था कि 'मैं असफल नहीं हुआ, मैंने 1000 ऐसे तरीके खोज लिए जो काम नहीं करते।' यही सोच उन्हें विजेता बनाती है।"
उनकी बातों ने आरव के मन में नई ऊर्जा भर दी। उसने निश्चय किया कि वह फिर से प्रयास करेगा। अगले कुछ दिनों तक वह लगातार मेहनत करता रहा। दिन-रात प्रयोग करता, नोट्स बनाता, सोलर पैनल की दिशा बदलता और तारों को जोड़ता। कई बार करंट भी लगा, कई बार मॉडल टूट गया, पर उसने हार नहीं मानी।
अंततः प्रदर्शनी के दिन जब उसने अपना मॉडल चालू किया, तो सबकी नज़रें उस पर टिक गईं — सूरज की किरणें सौर पैनल पर पड़ीं और छोटा पंखा धीरे-धीरे घूमने लगा। आरव के चेहरे पर चमक आ गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने उसकी पीठ थपथपाई और कहा — "बेटा, आज तुमने सिद्ध कर दिया कि जो व्यक्ति लगातार प्रयास करता है, सफलता उसी के कदम चूमती है।"
उस दिन आरव ने समझ लिया कि **"दीया तब तक जलता है जब तक उसमें तेल रहता है; उसी तरह जीवन में सफलता तब तक मिलती है जब तक हम प्रयत्न करते रहते हैं।"**
धीरे-धीरे वह गाँव के अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा बन गया। अब जब भी कोई बच्चा किसी कार्य में हार मानता, आरव कहता — "अंधेरे को कोसने से बेहतर है, एक दीया जलाओ।"

प्रेरणा (Moral):
"सफलता का रहस्य है – निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच।"
असफलता अंत नहीं, बल्कि नयी शुरुआत का संकेत है।

10. बूझो तो जानें

एक चीज़ है, जो उड़ती नहीं, लेकिन हमेशा आसमान में रहती है, बताओ क्या है?

उत्तर: बादल

11. रोचक तथ्य

आप 300 हड्डियों के साथ जन्म लेते हैं, पर 18 साल तक होतो-होते आप की हड्डियाँ जुड़ कर 206 रह जाती हैं.

12. विभागीय सूचना

- ❖ विज्ञान क्विज़ एवं विज्ञान प्रदर्शनी में प्रखंड स्तर पर चयनित सभी प्रतिभागी कल दिनांक 10.10.2025 को डायट मोहनियाँ में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता एवं विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे |
- ❖ PBL MIP पूरा करने की अंतिम तिथि 10.10.2025 है | अत: सभी विद्यालय 10.10.2025 तक MIP पूरा करके स्क्रीनशॉट ग्रुप में भेजना सुनिश्चित करें |
- ❖ आज विकसित भारत बिल्डथान 2025 का रजिस्ट्रेशन करना सुनिश्चित करें |
- ❖ समृद्धि शिक्षकों के लिए कला उत्सव के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता हेतु सभी प्रखंड से कक्षा 09-12 के शिक्षक आवेदन करें वेबसाइट है –http://kalautsav.ncert.gov.in
- ❖ सभी विद्यालय प्राप्त विभागीय टैबलेट में मोबाइल सीम खरीदकर उसे दिए गए टैबलेट में लगाकर ई -शिक्षाकोश पर अगले दो दिनों में पंजीकरण करना सुनिश्चित करें |

कैमूर चेतना-सत्र टीम
हर सुबह एक नई चेतना
संपर्क सूत्र : 8271039022